हिन्दी साप्ताहिक

R.N.I. No. UPHINè2022è83621

जनता का सच

वर्ष 04 अंक 46 | लखनऊ शनिवार 22 नवम्बर 2025 | पृष्ठ 04 मूल्य 2 रूपया

देश से एक-एक घुसपैठिये को चुन चुनकर बाहर निकालेंगे : अमित शाह

बिहार ने देश में घुसपैठियों के खिलाफ जनादेश दिया : शाह

भुज, 21 नवंबर (हि.स.)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को स्पष्ट शब्दों में कहा कि देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुरक्षित रखने के लिए घुसपैठियों को रोकना अनिवार्य है। इसके लिए देशवासियों को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया में पूरा सहयोग देना चाहिए। गुजरात के भुज में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की हीरक जयंती समारोह को संबोधित करते हुए गृहमंत्री शाह ने कहा कि राजनीतिक स्वार्थ के चलते एसआईआर का विरोध करने वाले दल देश के मतदाता सूची शुद्धिकरण अभियान को कमजोर कर रहे हैं, जबकि यह प्रक्रिया मजबूत लोकतंत्र की बुनियाद है। शाह ने कहा कि देश से एक-एक घुसपैठिये को चुन-चुन कर बाहर निकाला जाएगा। बिहार की जनता के ताज़ा जनमत ने भी संदेश दे दिया है कि देशवासी घुसपैठियों को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस देश में

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का चयन केवल भारत का नागरिक ही करेगा– किसी घुसपैठिये को लोकतांत्रिक व्यवस्था को दूषित करने का अधिकार नहीं है। गृह मंत्री ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया लोकतंत्र को घुसपैठ से मुक्त करने का एक महत्वपूर्ण कदम है, इसलिए देश की जनता को इसमें सक्रिय रूप से सहयोग करना चाहिए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जो राजनीतिक दल इस प्रक्रिया का विरोध कर रहे हैं, वे देशहित के विपरीत काम कर रहे हैं, लेकिन सरकार अपने दृढ़ संकल्प से पीछे नहीं हटेगी। अमित शाह ने कहा कि बीएसएफ ने पिछले छह वर्षों में अपनी दक्षता और वीरता से विश्व को संदेश दिया है कि भारत की सीमाएं पूरी तरह सुरक्षित हैं। उन्होंने बताया कि 2013 बीएसएफ जवानों ने अपने प्राणों की सर्वोच्च आहुति देकर देश की सीमाओं को सुरक्षित रखा है। आतंकवाद, नक्सलवाद, आपदा प्रबंधन और संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में भी बीएसएफ ने हमेशा अग्रिम पंक्ति में काम किया है। उन्होंने कहा कि आज बीएसएफ 193 बटालियनों और 2.76 लाख से अधिक जवानों के साथ पाकिस्तान से सटी 2,279 किमी और बांग्लादेश से लगी 4,096 किमी लंबी सीमा की चौकसी कर रही है। शाह ने कहा कि जल, थल और गगन–तीनों क्षेत्रों की सुरक्षा में बीएसएफ का योगदान अद्वितीय है। गृहमंत्री ने कच्छ की जनता के साहस को याद करते हुए कहा कि प्रतिकूल परिस्थितियों में भी इस क्षेत्र ने देश की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि कच्छ की जनता ने युद्धों और भूकंप जैसी कठिन परिस्थितियों से उबरते हुए क्षेत्र को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। शाह ने हाल के आतंकवादी हमलों का उल्लेख करते हुए कहा कि पाकिस्तान प्रेरित आतंकवादियों ने पहलगाम में पर्यटकों पर कायराना हमला किया था।

प्रधानमंत्री ने चार श्रम संहिता लागू होने को सर्वाधिक प्रगतिशील श्रमिक-केंद्रित सुधार बता कर किया स्वागत

नई दिल्ली, एजेंसी । केंद्र सरकार ने शुक्रवार से नया श्रम कानून लागू कर दिया। इसे अब तक का सबसे बड़ा बदलाव माना जा रहा है। नए श्रम कानूनों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि ये कानून हमारे श्रमिकों को और सशक्त बनाते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, आज हमारी सरकार ने चार श्रम संहिताओं को लागू कर दिया है। यह आजादी के बाद से सबसे व्यापक और प्रगतिशील श्रम-उन्मुख सुधारों में से एक है। यह हमारे श्रमिकों को अत्यधिक सशक्त बनाता है। यह अनुपालन को भी काफी सरल बनाता है और व्यापार करने में आसानी को बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा कि ये संहिताएं सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा, न्यूनतम और समय पर मजदूरी भुगतान, सुरक्षित कार्यस्थल और हमारे लोगों, विशेषकर नारी और युवा शक्ति को लाभकारी अवसर देने के लिए एक मजबूत आधार के रूप में काम करेंगी। पीएम मोदी ने कहा कि यह एक ऐसे इकोसिस्टम का निर्माण करेगा जो श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करेगा और भारत की आर्थिक वृद्धि को मजबूत करेगा। ये सुधार रोजगार सृजन को बढ़ावा देंगे। उत्पादकता बढ़ाएंगे

और विकसित भारत की ओर हमारी यात्रा को गति देंगे। वहीं श्रम और रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने एक्स पर बताया कि आज से देश में नई श्रम संहिताएं लागू हो गई हैं, जिसमें सभी कामगारों को समय से न्यूनतम वेतन की गारंटी, युवाओं को नियुक्ति पत्र की गारंटी, महिलाओं को समान वेतन और सम्मान की गारंटी, 40 करोड़ श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा की गारंटी, फिक्स्ड टर्म एम्प्लॉइज को एक साल बाद ग्रेच्युटी की गारंटी, 40 साल से अधिक आयु वाले श्रमिकों को सालाना मुफ्त हेल्थ चेकअप की गारंटी, ओवरटाइम करने पर दोगुने वेतन की गारंटी, जोखिम भरे क्षेत्रों के कामगारों को 100 प्रतिशत हेल्थ सिक्योरिटी की गारंटी, इंटरनेशनल मानकों के मुताबिक श्रमिकों को सामाजिक न्याय की गारंटी जैसी सुविधाएं हैं। उन्होंने यह भी लिखा कि यह सुधार सिर्फ बदलाव भर नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा श्रमवीरों के कल्याण के लिए लिया गया एक ऐतिहासिक निर्णय है। ये नए श्रम सुधार आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं और विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को नई गति प्रदान करेंगे।

साइबर क्राइम और वैश्विक आतंकवाद जैसे मुद्दों पर दुनिया हो एकजुट: सीएम योगी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को विश्व के मुख्य न्यायाधीशों के 26वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि साइबर क्राइम, अच्छे स्वास्थ्य और वैश्विक आतंकवाद जैसे मुद्दों पर भी मुखर होकर यूएन जैसे प्लेटफार्म का उपयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह समय संवाद, सहयोग और आपसी समझ को मजबूत करने का है, क्योंकि दुनिया की मूल समस्या एक-दूसरे के साथ संवाद की कमी है। ऐसे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन वैश्विक स्तर पर संवाद को बढ़ावा देते हैं और साझा समाधान की राह खोलते हैं। सीएम योगी ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने कुछ समय पहले दुनिया के सामने 16 वैश्विक लक्ष्य रखे थे, जिनमें शिक्षा सर्वोपरि है। तकनीक ने जीवन को आसान बनाया है, लेकिन इसके कारण अभूतपूर्व कानूनी

चुनौतियां भी खड़ी हुई हैं। साइबर क्राइम, डाटा चोरी और डिजिटल दुरुपयोग आज सबसे बड़ी वैश्विक चिंताओं में शामिल हैं। जलवायु परिवर्तन और उससे उत्पन्न होने वाले संकट भी हमारे सामने एक नई चुनौती हैं। साइबर क्राइम, डाटा चोरी जैसी समस्याएं भी हमारे सामने खड़ी हैं। ऐसी स्थिति में न्याय, नैतिकता और अंतरराष्ट्रीय कानून, विश्व शांति और मानव सभ्यता के लिए एक बड़ी लकीर खींचने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि दुनिया के अंदर जब हम शिक्षा की बात करते हैं तो 250 करोड़ से अधिक बच्चों के लिए बेहतरीन शिक्षा के साथ-साथ, वे अपने बस्ते के बोझ से गायब न हों, हमें इस बारे में भी विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत ने हजारों वर्षों से दुनिया को एक परिवार के रूप में देखा है। यह सिर्फ भारत की सोच नहीं, बल्कि एक ऐसी परंपरा है जिसमें संकट के समय किसी भी मत, मजहब या संप्रदाय को भारत ने शरण देने और सहयोग करने में कभी हिचकिचाहट नहीं दिखाई। इसलिए शिक्षा, संवाद और मानवीय मूल्यों को मजबूत करने के प्रयासों पर दुनिया को एकजुट होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक ऐसे दौर में, जहां वैश्विक स्तर पर अशांति, अराजकता और वर्चस्व की लड़ाई चल रही है, वहां शिक्षा, विकास और स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर काम करना और अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। योगी ने कहा कि भारत की प्राचीन विचारधारा हमेशा पंचतत्वों- पृथ्वी, जल, आकाश, अग्नि और वायु-की सुरक्षा और संरक्षण को प्राथमिकता देती रही है।

चुनाव आयोग ने बिहार चुनाव में वोट-वोटर मिसमैच थ्योरी को गलत बताया

नई दिल्ली, एजेंसी । बिहार विधानसभा चुनावों में असली वोटों और कुल वोटरों की संख्या में भारी अंतर के बड़े दावों के बीच, चुनाव आयोग ने शुक्रवार को मिसमैच थ्योरी को खारिज कर दिया। आयोग ने झूठे दावों को उजागर करने के लिए पोस्टल बैलेट समेत पोलिंग डेटा का हवाला दिया। सोशल मीडिया पर वायरल दावों में कहा गया है कि विधानसभा चुनाव में डाले गए वोटों की संख्या रजिस्टर्ड वोटरों की कुल संख्या से ज्यादा थी, जिससे पोलिंग प्रोसेस में गड़बड़ी और धांधली का पता चलता है। दावा किया गया कि चुनाव आयोग ने एसआईआर के बाद 30 सितंबर को जारी अपनी फाइनल लिस्ट में कुल 7.42 करोड़ वोटर्स दिखाए थे, लेकिन 14 नवंबर को बिहार विधानसभा चुनाव के लिए खत्म हुए मतदान के बाद पोल पैनल ने अपने बयान में कुल वोटर्स की संख्या 7.45 करोड़ दिखाई। खास बात यह है कि चुनाव आयोग ने 17 नवंबर को जारी अपने फाइनल इंडेक्स कार्ड में वोटर

टर्नआउट को रिकॉर्ड 67.13 प्रतिशत बताया था। पोल पैनल ने शुक्रवार को इन बातों पर ध्यान दिया और वोटर्स के बीच अंतर के दावों को गलत बताया। आयोग ने कहा कि गलत डेटा में पोस्टल बैलेट को शामिल नहीं किया गया है, जिससे पोलिंग प्रक्रिया की ईमानदारी पर शक पैदा होता है। चुनाव आयोग डेटा से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, बिहार चुनाव में कुल 2,01,444 पोस्टल बैलेट डाले गए, जिनमें से 23,918 रिजेक्ट हो गए। ईवीएम और पोस्टल बैलेट दोनों में कुल 9,10,730 वोटरों ने नोटा चुना। पोल पैनल ने कहा कि ईवीएम वोट और पोस्टल बैलेट को मिलाकर, वैलिड वोटर्स की संख्या ऑफिशियल नंबर से पूरी तरह मेल खाती है, जिससे चुनाव आयोग का डेटा 100 प्रतिशत सही है। 5,000,29,880 वोटों के अनुमानित आंकड़े को खारिज करते हुए आयोग ने दावा किया कि अगर फाइनल गिनती में 1,77,526 पोस्टल बैलेट शामिल किए जाएं, तो नंबर चुनाव आयोग के नंबर से पूरी तरह मेल खाते हैं।

ईडी ने कोयला माफिया के खिलाफ झारखंड और पश्चिम बंगाल में कई जगह की छापेमारी

रांची/कोलकाता, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को झारखंड और पश्चिम बंगाल में कोयला माफिया के खिलाफ धन शोधन मामले में छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत कार्रवाई के अंतर्गत दोनों राज्यों में 40 से अधिक परिसरों की तलाशी ली जा रही है। एजेंसी झारखंड में कोयला चोरी और तस्करी से संबंधित जांच के तहत लगभग 18 स्थानों पर छापेमारी कर रही है।सूत्रों के अनुसार, अनिल गोयल, संजय उद्योग, एल बी सिंह और अमर मंडल के नाम वाली संस्थाओं के ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। सूत्रों ने बताया कि इस मामले में बड़े पैमाने पर कोयला चोरी शामिल है, जिसके परिणामस्वरूप सरकार को सैकड़ों करोड़ रुपये का भारी वित्तीय नुकसान हुआ है। उन्होंने बताया कि पश्चिम बंगाल में कोयले के कथित अवैध खनन, परिवहन और भंडारण की जांच के तहत दुर्गापुर, पुरुलिया, हावड़ा और कोलकाता जिलों में लगभग 24 परिसरों की तलाशी ली जा रही है।

ए आई किसानों को समृद्ध बनाने में निभा सकता है बड़ी भूमिका, उत्पादन में हो रहा इजाफा: गडकरी

नागपुर, एजेंसी । केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) किसानों को समृद्ध बनाने में अहम भूमिका निभा सकती है और इससे उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलती है। नागपुर में आयोजित हुए एग्रोविजन 2025 में बोलते हुए गडकरी ने कहा कि आज के समय पर खेती में तेजी से एआई का उपयोग हो रहा है। इससे पहले पता चल जाता है कि फसल में कौन-से कीड़े लगने वाले हैं, कौन-सी बीमारी लग सकती है, मिट्टी को कौन-सी खाद की आवश्यकता है, कितने पानी की जरूरत है और इससे उत्पादन बढ़ाने में मदद

मिलती है। उन्होंने आगे कहा कि हमने हाल ही संतरे का एक सेमिनार रखा था, जिसमें देश-विदेश की तकनीक बताई गई। उसमें 250 रुपए का प्रवेश शुल्क रखा गया था और इसमें 650 से ज्यादा किसान आए थे। इससे क्षेत्र में संतरा उत्पादकता में बड़ा लाभ हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि 16 वर्षों से यह कृषि प्रदर्शनी हो रही है। इससे हजारों किसानों को लाभ हो रहा है। पहले विदर्भ किसान आत्महत्याओं का क्षेत्र बन गया था। किसानों को इस संकट से बाहर निकालने के लिए प्रदर्शनी को शुरू किया गया था। उनकी उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए और उन्हें सक्षम बनाने के लिए अत्याधुनिक तकनीक और कृषि विकास की दिशा में काम करना जरूरी था।

जन औषधि परियोजना ने बचाए लोगों के 40 हजार करोड़ रुपये

नई दिल्ली, 21 नवंबर (हि.स.)। प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) ने पिछले 11 सालों में आमजनता के करीब 40 हजार करोड़ रुपयों की बचत की है। इस परियोजना के अंतर्गत दवाओं और सर्जिकल उपकरणों की सूची अब बढ़कर 2425 हो गई जिसमें 2110 दवाएं और 315 सर्जिकल उत्पाद शामिल हैं। इन दवाओं और उत्पाद की गुणवत्ता के कारण लोगों का भरोसा जनऔषधि केन्द्रों पर बढ़ता जा रहा है। यही कारण है आज देश में दवाओं की बढ़ती मांग को देखते हुए अब तक देश में 16955 जन औषधि केंद्र खुल चुके हैं। इन्हें राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के सभी जिलों में संचालित किया जा रहा है। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय ने शुक्रवार को जानकारी दी कि जन औषधि केन्द्रों पर अब आयुष के उत्पाद भी उपलब्ध हैं। इसमें त्रिफला, शिलाजीत, अश्वगंधा और च्यवनप्राश स्पेशल शामिल है जो बाजार से आधे से कम कीमत में उपलब्ध है।पीएबीजेपी के तहत मास्क, डायपर, रबर ग्लब्स, ऑक्सीमीटर, रैपिड एंटीजन टेस्ट किट, सीरिंज और सुई भी जन औषधि केन्द्रों में उपलब्ध है।

मछुआरा समुदायों के लिए सुविधाएं और सम्मान सुनिश्चित करने की जरूरत : राहुल गांधी

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को विश्व मत्स्य पालन दिवस के अवसर पर कहा कि देश के विभिन्न मछुआरा समुदायों लिए बेहतर सुरक्षा, उचित मूल्य, आधुनिक सुविधाएं और सम्मान सुनिश्चित करने की जरूरत है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''विश्व मत्स्य पालन दिवस पर, मैं भारत भर में मछली पकड़ने वाले समुदायों के साथ खड़ा हूं, जो हमारे समुद्र के विशाल तटों से लेकर हमारी नदियों, झीलों और तालाबों तक से जुड़े हैं। राहुल गांधी ने कहा, ''आप हमारी थालियां भरी रखते हैं और

हमारी अर्थव्यवस्था को गतिमान रखते हैं। आप हमारे जल के संरक्षक, सदियों पुराने ज्ञान के रखवाले और भारत के सांस्कृतिक ताने-बाने का एक अविभाज्य हिस्सा हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, ''आइए हम बेहतर सुरक्षा, उचित मूल्य, आधुनिक सुविधाएं, स्वच्छ और स्वस्थ नदियां और समुद्र, आपके बच्चों के लिए अच्छी शिक्षा और वह सम्मान और प्रतिष्ठा सुनिश्चित करें जिसके आप वास्तव में हकदार हैं।'' हर साल 21 नवंबर को विश्व मत्स्य पालन दिवस मनाया जाता है।

भारत ने गुपचुप खोला चीनी नागरिकों के लिए पर्यटन वीजा

नईदिल्ली,21 नवंबर (आरएनएस)। भारत ने दुनियाभर में रहने वाले चीनी नागरिकों के लिए पर्यटन वीजा खोला दिया है। हालांकि, इसको लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। रिपोर्ट ने मामले से जुड़े लोगों के हवाले से बताया कि इस हफ्ते की शुरुआत में भारतीय दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों में चीन के नागरिकों के लिए पर्यटन वीजा खोल दिए गए है। चीनी नागरिक तमाम देशों के भारतीय मिशनों और वाणिज्य दूतावासों से आवेदन कर रहे हैं। इससे पहले भारत ने इस साल जुलाई में चीनी नागरिकों के लिए पर्यटन वीजा दोबारा से शुरू किया। हालांकि, तब वे सिर्फ बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास और शंघाई, गुआंगझोउ, हांगकांग स्थित वाणिज्य दूतावासों में आवेदन कर सकते थे।

दुबई एयर शो में भारतीय वायुसेना का तेजस विमान क्रैश, पायलट की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। दुबई एयर शो 2025 में शुक्रवार दोपहर भारतीय वायुसेना का अत्याधुनिक स्वदेशी लड़ाकू विमान एलसीए तेजस एक प्रदर्शन उड़ान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में पायलट की मौत हो गई। वायुसेना ने गहन जांच के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी के आदेश दिए हैं। यह घटना उस समय हुई, जब तेजस निर्धारित एरोबेटिक अभ्यास के लिए उड़ान भर रहा था। दुर्घटना के कारणों की पुष्टि फिलहाल नहीं हो सकी है। वायुसेना द्वारा विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है। भारतीय वायुसेना ने हादसे की पुष्टि करते हुए एक आधिकारिक बयान जारी किया है। वायुसेना ने कहा कि उनका एक तेजस

विमान दुबई एयर शो-25 में दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। घटना के संबंध में तथ्यों की पुष्टि की जा रही है। जैसे ही सत्यापित विवरण उपलब्ध होंगे, उन्हें साझा किया जाएगा। सभी जानकारी केवल सत्यापन के बाद ही जारी की जाएगी। वायुसेना ने बताया कि हादसे में पायलट को गंभीर चोटें आईं, जिससे उनकी मृत्यु हो गई। भारतीय वायुसेना ने कहा है कि वह पायलट की मौत से हुई इस अपूरणीय क्षति पर गहरा दुख प्रकट करती है और इस कठिन समय में शोकाकुल परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है।

सनातन धर्म को बदनाम करने वालों को किसी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा: सीएम धामी

देहरादून, एजेंसी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शुक्रवार को अपनी पत्नी गीता धामी के साथ जीवनदीप आश्रम में आयोजित पांच दिवसीय धार्मिक एवं सामाजिक महोत्सव में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने आश्रम में 1100 कन्याओं के पूजन के निमित्त 11 कन्याओं का पूजन कर उपहार और दक्षिणा भेंट की। इसके साथ ही छह कन्याओं के सामूहिक विवाह पर उनको शुभकामनाएं और आशीर्वाद दिया। साथ ही सीएम ने आश्रम में स्वामी सत्यमित्रानंद गिरी सभागार, श्री सिद्धबली हनुमान मंदिर एवं शहीद चौक का लोकार्पण एवं उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जो भी सनातन धर्म को बदनाम करने का प्रयास करेगा, उसे किसी कीमत पर बख्शा

नहीं जाएगा। लैंड जिहाद, लव जिहाद, थूक जिहाद जैसी जिहादी मानसिकताओं के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की गई है। नौ हजार एकड़ से अधिक सरकारी भूमि को मुक्त कराया गया है। प्रदेश में यूसीसी लागू कर समान कानून व्यवस्था स्थापित की गई है। अवैध गतिविधियों में संलिप्त 250 से अधिक अवैध मदरसों को सील किया गया और नया कानून लागू कर मदरसा बोर्ड समाप्त करने का निर्णय लिया गया है। इसके बाद एक जुलाई 2026 से गैर-मानक मदरसे स्वतः बंद हो जाएंगे। ऑपरेशन कालनेमि के अंतर्गत सनातन धर्म को बदनाम करने वालों पर कठोर कार्रवाई की गई है। इस दौरान गीता धामी ने कहा कि जीवन दीप आश्रम सनातन धर्म का निर्वहन करते हुए समाज हित में कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि मेन मार्ग से सुनहरा मार्ग चौराहे को शहीद चौक का नाम दिया जाएगा। इस मौके पर जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर यतींद्रानंद गिरी महाराज ने भवन के लोकार्पण के लिए मुख्यमंत्री सहित सभी जनप्रतिनिधियों एवं क्षेत्रवासियों का कार्यक्रम में शामिल होने पर आभार व्यक्त किया।

सम्पादकीय

चुनौतियों वाली पारी

आखिरकार सबसे लंबे कार्यकाल वाले मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश कुमार इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गए। जदयू सुप्रीमो ने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के साथ ही सत्ता का एक नया कार्यकाल शुरू कर दिया। यद्यपि हालिया चुनाव में भाजपा ने जदयू से ज्यादा सीटें हासिल करके सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उपस्थिति दर्ज करायी है, लेकिन इसके बावजूद चार कम सीट जीतने वाले जदयू के 74 वर्षीय दिग्गज को मुख्यमंत्री बने रहने देना ही बेहतर समझा है। वहीं सहयोगी दल भाजपा से सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा के उपमुख्यमंत्री पद बरकरार रहे। निस्संदेह, नीतीश का पिछला कार्यकाल उतार–चढ़ाव भरा रहा था। उन्होंने पहले भाजपा के साथ सरकार बनायी और मनभेद के चलते महागठबंधन में शामिल हुए। फिर पलटी लेकर भाजपा के साथ सरकार में शामिल हो गए थे। इसके बावजूद बिहार की जनता ने उनकी इस उलट–पलट को माफ ही कर दिया। संभवतरू उनकी इस अपील पर वोट दिया कि यह उनकी आखिरी पारी है। जनता ने उनके नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार के स्थायित्व पर भरोसा जताया। शायद बिहार की जनता जंगल राज के दुरूस्वप्न को नहीं भूली है। एक बात तो तय है कि राज्य की जनता ने तमाम किंतु–परंतुओं के बावजूद बिहार के भविष्य के लिये उन्हें बेहतर माना है। यही वजह है कि रिकॉर्ड दसवीं बार शपथ लेने वाले नीतीश को बधाई देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें सुशासन के सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड वाला एक अनुभवी प्रशासक बताया है। लेकिन राजनीतिक पंडित कयास लगा रहे हैं कि भाजपा कब तक छोटे भाई की भूमिका में रहेगी? विपक्ष को संदेह है कि नीतीश शायद ही अपना कार्यकाल पूरा करेंगे। उन्हें आशंका है कि भाजपा किसी न किसी स्तर पर बिहार में पार्टी का मुख्यमंत्री बनाना चाहेगी। राजनीतिक विश्लेषक महाराष्ट्र का उदाहरण देते हैं, जहां भाजपा ने पहले शिवसेना के एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री बनाया और बाद में उन्हें हटाकर देवेंद्र फड़नवीस को कुर्सी पर बैठा दिया। वहीं कुछ राजनीतिक पंडितों का तर्क है कि भाजपा के पास केंद्र में पूर्ण बहुमत नहीं है, इसलिए एनडीए सरकार को सहारा देने के लिये भाजपा को नीतीश के समर्थन की जरूरत बनी रहेगी। इस बात से यह निष्कर्ष निकाला जा रहा है कि जदयू अपना अस्तित्व बचाये रखने के लिये बेहतर स्थिति में है। बहरहाल, नीतीश की तात्कालिक प्राथमिकताएं बेरोजगारी दूर करने और पलायन पर अंकुश लगाने की होनी चाहिए। हकीकत यह है कि राज्य में रोजगार संकट के चलते बिहार के तीन घरों में से दो का एक सदस्य दूसरे राज्य में काम करने को मजबूर है। साथ ही नीतीश को सरकार बनाने में भरपूर समर्थन देने वाली महिलाओं की आकांक्षाओं के अनुरूप, उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के प्रमुख चुनावी वायदे को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करना चाहिए।

आतंकवाद की ओर जा रहे हैं कुछ डाक्टर

मैडिसिन के डाक्टर हमेशा से हमारे कामों की लिस्ट में सबसे ऊपर रहे हैं, जिनकी इस दुनिया में हर इंसान तारीफ करता है। ऐसा कोई इंसान नहीं है जिसे अपनी जिंदगी में कभी न कभी डाक्टर की जरूरत न पड़ी हो। डाक्टरों को नेक इंसान माना जाता है जो दूसरे इंसानों को जिंदा और ठीक रखने की फिक्र करते हैं। 10 नवंबर,2025 को दिल्ली में लाल किले के पास मैट्रो स्टेशन के बाहर हुए धमाके में 13 आदमी मारे गए और कई आदमी और औरतें घायल हो गई, यह न सिर्फ हमारी मजबूत सरकार के लिए बल्कि हमारे देश के आम लोगों के लिए भी एक बड़ा झटका था। पाकिस्तान में मौजूद जैश–ए–मोहम्मद से जुड़े एक टैरर मॉड्यूल का पता चला। गिरफ्तार किए गए ज्यादातर लोग डाक्टर हैं। इसमें इतनी हैरानी की क्या बात है? आम आदमी ऐसे टैरर मॉड्यूल की कल्पना भी नहीं कर सकता जिसमें एक डाक्टर भी शामिल हो। अब उसे बताया जा रहा है कि इस खास मॉड्यूल में ज्यादातर डाक्टर हैं जो सभी इस्लाम को मानते हैं लेकिन जम्मू–कश्मीर, हरियाणा और बंगाल जैसे अलग–अलग राज्यों से हैं। सिर्फ सबसे होशियार स्टूडैंट ही मैडिकल कॉलेज में सीट पक्की कर सकते हैं। पढ़ाई साढ़े 5 साल की होती है और अगर स्टूडैंट मैडिसिन की किसी भी ब्रांच में स्पैशलाइज करना चाहता है तो उसे 2 साल या उससे ज्यादा और लगेंगे, जिसके बाद जरूरी स्किल्स को बेहतर बनाने के लिए हॉस्पिटल में इंटर्नशिप करनी होगी। जिन डॉक्टरों ने अपनी जवानी के सबसे अच्छे साल ऐसी जिंदगी की तैयारी में बिताए हैं जो दूसरों को जिंदा रहने में मदद करती है, वे अपना मकसद क्यों छोड़कर सिर्फ सत्ता में बैठे लोगों को मैसेज देने के लिए बेगुनाह लोगों को मारने और घायल करने पर उतर आएं? इसका जवाब पिछले कुछ सालों में खोजे गए दूसरे टैररिस्ट मॉड्यूल में मिल सकता है। अभिनव भारत एक अकेला मॉड्यूल था जो हैरानी की बात है कि ज्यादातर कम्युनिटी में घुसा हुआ था, जिसे महाराष्ट्र के एंटी–टैररिस्ट स्क्वॉड ने खोजा था। पॉलिटिकल फील्ड में फायदेमंद पोजीशन वाले लोगों में भी जो गहरा गुस्सा था, उसे हमें अपने मन की आंखों में, उन लोगों तक पहुंचाना होगा जो इस समीकरण के शिकार थे। जब भारत के इकलौते मुस्लिम–बहुल राज्य को राज्य का दर्जा नहीं दिया गया और उन लोगों ने उसे कमतर दर्जा दिया, जिन्हें उसका सैक्युलर और बराबरी के रैंक में स्वागत करना चाहिए था, उसे बुरी तरह याद दिलाया गया कि उस पर कभी भरोसा नहीं किया जाएगा तो दुश्मनी और नफरत को पनपने के लिए जमीन तैयार हो गई। मोदी–शाह की जोड़ी का मजबूत गवर्नेंस मॉड्यूल जम्मू–कश्मीर में अपने तख्तापलट की शेखी बघारता रहा। राज्य में और ज्यादा सैनिक और पैरा–मिलिट्री भेजी गई, इस उम्मीद में कि बॉर्डर पार से आतंकवाद और कश्मीरियों के बीच अलगाववादी तत्व बेअसर हो जाएंगे। शुरू में ऐसा सरप्राइज फैक्टर की वजह से हुआ। राजनेता अटल बिहारी वाजपेयी ने इस मुश्किल और हमेशा रहने वाली हिंदू–मुस्लिम समस्या को बहुत सोच–समझकर और बारीकी से सुलझाया था। उन्होंने पूर्व रॉ चीफ ए.एस. दुलत पर भरोसा किया, जिन्होंने फारूख अब्दुल्ला के साथ पक्की दोस्ती की थी। अब्दुल्ला परिवार ही काफी हद तक कश्मीरी मुसलमानों के भारत के साथ अपने मुस्लिम–बहुल पड़ोसी पाकिस्तान के साथ इलाके के झगड़े में साथ देने के लिए जिम्मेदार रहा है। लेकिन मौजूदा भाजपा सरकार कुछ और ही सोचती थी। उसने कश्मीरी मुसलमानों को दबाने के लिए आक्रामकता का इस्तेमाल करने का फैसला किया और अपने ही वोटरों को यह साबित करने का फैसला किया कि वह कांग्रेस और यहां तक कि वाजपेयी की भाजपा सरकार के उलट एक मजबूत और ताकतवर सरकार है। ऐसा तरीका शायद ही कभी काम करता है। अगर वहां के लोग भाईचारे की उम्मीद को पसंद नहीं करते हैं तो भारतीय सरकार या कोई भी राज्य हथियारों के बल पर राज नहीं कर सकता। ऐसी जगहों पर आतंकवाद पनपता है। लाल किले में हुए धमाके के कुछ मुख्य साजिशकर्ता साऊथ कश्मीर के पहलगाम से हैं, जहां पहले से बदनाम आई.एस.आई. के प्लान किए गए आतंकी हमले की खबर आई थी। 'ऑप्रेशन सिंदूर' हमारा कामयाब जवाब था। हमारी एयर फोर्स और सपोर्टिंग ग्राऊंड फोर्स ने हमारे पड़ोसी के इलाके में आतंकियों के कई ठिकानों को खत्म करके अपना काम ठीक से किया। बदकिस्मती से, हमारे प्राइम मिनिस्टर अपना जोश रोक नहीं पाए और खुलेआम धमकी दी कि अगर हमारे पड़ोसी ने कभी बॉर्डर पार अपने आतंकी शागिर्दों को भेजने की हिम्मत की तो वे 'ऑप्रेशन सिंदूर' दोहराएंगे। न तो लडने वाले पड़ोसी और न ही दुनिया की बड़ी ताकतें इंडियन सब–कॉन्टिनैंट में कभी न खत्म होने वाली दुश्मनी के नतीजों को मान पाएंगी। 10 नवंबर को लाल किले के बाहर दिल्ली में हुए धमाके के बाद, यू.एस. सैक्रेटरी ऑफ स्टेट मार्को रुबियो ने शायद बिना कोई कीमती समय बर्बाद किए दिल्ली में अपने समकक्ष से बात की। उन्होंने अगले ही दिन एक बयान जारी कर भारत के 'सोचे–समझे जवाब' और देश के अंदर आतंकी मॉड्यूल की पहचान करने में हमारी कामयाबी की तारीफ की। उन्होंने देश के कानून के हिसाब से आतंकवादियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए अपने देश का सपोर्ट जताया। उनके बयान की लाइनों के बीच यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि उन्होंने एक और 'ऑप्रेशन सिंदूर' के खिलाफ भी सलाह दी। जो मॉड्यूल मिला है, उसने पूरे भारत में और भी कई हमलों की प्लानिंग की थी। इसके जाल हरियाणा और अल–फलाह यूनिवर्सिटी से बहुत आगे तक फैले हुए थे, जहां यह पनप रहा था। कम से कम एक बड़ा काम तो अभी हो गया है क्योंकि 8 छोटे मॉड्यूल को खत्म कर दिया गया है लेकिन आने वाले समय में भी लड़ाई जारी रहेगी। भारत के दो बड़े समुदायों के बीच अविश्वास और गलतफहमी तब से है जब से इस्लामिक सेनाएं हिंदू कुश के रास्ते सब–कॉन्टिनैंट में आई हैं और मैं कह सकता हूं कि यह दुश्मनी इतनी जल्दी खत्म नहीं होगी।

भ्रष्टाचार और जंगलराज से समझौता बना कांग्रेस की हार का कारण

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सी.बी.आई.) की विशेष अदालत ने पिछले महीने आई.आर.सी.टी.सी. होटल घोटाला मामले में 14 आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए। सी.बी.आई. के अनुसार, राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी और बेटे तेजस्वी प्रसाद यादव के अलावा राज्यसभा सदस्य प्रेमचंद गुप्ता, उनकी पत्नी सरला गुप्ता, आई.आर.सी.टी.सी. अधिकारियों, कोचर ब्रदर्स समेत कुल 14 आरोपियों के खिलाफ आरोप तय कर दिए गए थे। यह खबर पूरे देश में पढ़ी–सुनी गई। यदि किसी ने नहीं देखी तो वह है कांग्रेस पार्टी ने। कांग्रेस ने लालू यादव के भ्रष्टाचार और जंगलराज के अन्य मामलों की तरह इसे भी नजर अंदाज कर दिया। कांग्रेस यह भूल गई कि यदि ऐसे मामलों की अनदेखी की गई तो मतदाता भी उसे भूल जाएंगे। बिहार विधानसभा चुनाव में यही हुआ। मतदाता भूल गए कि कांग्रेस भी एक राष्ट्रीय और प्रमुख विपक्षी राजनीतिक दल है। कांग्रेस ने सत्ता के लिए भ्रष्टाचार से समझौता किया। मतदाताओं ने कांग्रेस के इस रवैये को मतों से ठुकरा दिया। सर्वाधिक आश्चर्य की बात यह है कि कांग्रेस ने पिछली गलतियों से जरा भी सबक नहीं सीखा। भ्रष्टाचार और कानून व्यवस्था आज भी देश में प्रमुख मुद्दा है। विकास और दूसरे मुद्दे इसकी नींव पर खड़े होते हैं यदि नींव ही कमजोर होगी तो विकास की इबारत नहीं लिख पाएगी। कांग्रेस ने बिहार में लालू यादव की पार्टी से सत्ता के लिए समझौता कर अपने पैरों पर फिर से कुल्हाड़ी मारने का काम किया है। कांग्रेस को बिहार विधानसभा की कुल 243 सीटों में से मात्र 6 सीटें मिलीं। इस शर्मनाक हार की जिम्मेदार खुद कांग्रेस है। कांग्रेस अब इस जिम्मेदारी से भागने के लिए फिर से वही पुराना वोट चोरी, सरकारी मशीनरी के चुनाव में दुरुपयोग का आरोप लगा रही है। अभी भी कांग्रेस इस सच्चाई का सामना करने को तैयार नहीं है कि उसने एक महाभ्रष्ट लालू यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल से सीटों का समझौता करके भारी भूल की है। बिहार के मतदाताओं ने इन दोनों दलों को तगड़ा सबक सिखाया है। कांग्रेस ने आकंठ तक भ्रष्टाचार में डूबे लालू परिवार के जरिए चुनावी वैतरणी पार करने का गलत निर्णय लिया। यह जानते हुए भी कि मतदाता इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। अपराधी परिवार के साथ चुनावी तालमेल की कीमत कांग्रेस को चुकानी पड़ गई। भाजपा और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लालू यादव के कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार और जंगलराज को प्रमुख मुद्दा बनाया। कांग्रेस इसके बचाव में कोई दलील देकर मतदाताओं को संतुष्ट नहीं कर सकी। बिहार में चुनाव हो और चारा घोटाले से जुड़ी कहानियां सामने न आएं, ऐसा हो ही नहीं सकता। ये घोटाला ही ऐसा था कि 30 साल बाद भी लोग इसके बारे में बात करते हैं और जानने की चाहत रखते हैं। कांग्रेस ने 950 करोड़ रुपए के घोटाले में अपने प्रमुख सहयोगी और राजद प्रमुख लालू प्रसाद को गिरफ्तारी से बचाने के लिए पर्दे के पीछे से राजनीतिक चालें चलीं लेकिन वे असफल रहीं। वर्ष 1990–96 के दौरान सामने आया चारा घोटाला बिहार पशुपालन विभाग में हुआ। यह घोटाला मुख्य रूप से 1990 के दशक में हुआ। इस समय लालू प्रसाद यादव बिहार के मुख्यमंत्री थे। भ्रष्टाचार के ऐसे ढेरों मामलों के अलावा कांग्रेस लालू यादव के शासन के दौरान जंगल राज को भूल गई। लालू राज के दौरान अपराध की घटनाओं में वृद्धि हुई। अपहरण (किडनैपिंग) की वारदातें बढ़ीं। सड़क पर बढ़ती असुरक्षा भी इसमें शामिल थी। गुंडागर्दी और बाहुबल का प्रभाव था। कई जगह दबंगों और बाहुबली नेताओं का वर्चस्व था। प्रशासन पर राजनीतिक हस्तक्षेप के आरोप लगे थे। अर्थव्यवस्था और विकास में गिरावट आंकी गई थी। उद्योग, शिक्षा और बुनियादी ढांचे की स्थिति कमजोर हुई थी। बिहार को देश के 'सबसे पिछड़े राज्यों' में गिना जाने लगा था। वर्ष 1992 से 2004 तक, अपहरण के कुल 32,085 मामले दर्ज किए गए थे। ऐसे कितने मामले दर्ज नहीं किए गए। बिहार पुलिस की वैबसाइट के अनुसार, 2001–2005 के बीच हत्याओं की संख्या 20,000 के करीब है। 90 के दशक में स्थिति का सिर्फ अंदाजा ही लगाया जा सकता है।

बिहार में दूसरा जंगलराज चुनावों में होने वाली हिंसा, बूथ कैप्चरिंग और धांधली से जुड़ा था, जिसका अंत भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त टी.एन.शेषन ने अपने कड़े चुनाव सुधारों से किया था। टी.एन.शेषन भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त 1990–1996 तक थे, तब उन्होंने इस सिस्टम को बदलने के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए थे। बिहार में इन सुधारों का प्रभाव सबसे ज्यादा दिखा। इस दूसरे वाले जंगलराज में बदमाशों या राजनीतिक कार्यकर्त्ताओं द्वारा पूरे बूथ पर कब्जा करना, वोटिंग मशीन–बैलेट पेटी उठा ले जाना या खुद वोट डाल देना, वोटरों को धमकाना या बूथ से भगा देना जैसी चीजें शामिल थीं। कांग्रेस यदि गंभीर होती तो अपने शासित राज्यों में किसी एक का उदाहरण देकर मतदाताओं को विश्वास दिला सकती थी कि वह भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरैंस की नीति पर अमल करती है। कांग्रेस को यह समझना होगा कि राजद जैसे दागदार क्षेत्रीय दलों की तुलना वह एक प्रमुख राष्ट्रीय पार्टी है। सिर्फ एक राज्य में सत्ता के लिए भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों से समझौता करने की भारी कीमत पूरे देश में चुकानी पड़ सकती है। यही कीमत दूसरे राज्यों के अलावा अब कांग्रेस ने बिहार में चुकाई है।

देश सेवा- नौकरी के साथ भी, नौकरी के बाद भी

सात अगस्त 2025 को भारतीय राजनीति में एक अभूतपूर्व घटना हुई थी। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक प्रेस कांफ्रेंस बुलाकर 1 घंटे 11 मिनट तक कर्नाटक की महादेवपुरा विधानसभा सीट पर 22 पन्नों का प्रजेंटेशन दिया था। राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि इस सीट पर 6.5 लाख वोट में से 1 लाख वोटों की चोरी हुई है। कांग्रेस के शोध में यहां एक लाख के करीब गलत पते और एक ही पते पर थोक मतदाताओं और नकली मतदाताओं का पता चला। जिसका पूरा खुलासा राहुल गांधी ने किया था। महाराष्ट्र और हरियाणा चुनावों में मतदाता सूची में हेर फेर करके भाजपा ने चुनाव जीता है, यह आरोप तो विपक्ष पहले से लगा रहा था। लेकिन यह पहली बार था जब किसी एक सीट का इस तरह पूरा कच्चा–चिठ्ठा मीडिया के जरिए देश के सामने रखा था। राहुल गांधी के इस खुलासे के फौरन बाद ही चुनाव आयोग ने इस पर फेक और मिसलीडिंग यानी फर्जी और भ्रामक होने का ठप्पा तो लगा दिया, साथ ही एक प्रेस कांफ्रेंस कर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने राहुल गांधी को एक सप्ताह के भीतर हलफनामा पेश करने कहा था। जबकि राहुल गांधी का कहना था कि वे कोई हलफनामा पेश नहीं करेंगे, उन्होंने अपनी बात सबूतों के साथ रखी है, अब दारोमदार चुनाव आयोग पर है कि वह इसे या तो गलत साबित करे या फिर अपनी गलती माने। लेकिन चुनाव आयोग ने ऐसा कुछ नहीं किया।अगस्त के बाद सितम्बर और इसी महीने की 4 तारीख को राहुल गांधी ने दो और प्रेस वार्ताएं की और उन दोनों में फिर से इसी तरह की मतदाता सूची की गड़बड़ी को दिखाया, जिसके बूते भाजपा ने चुनाव जीता। राहुल गांधी केवल मुंहजबानी आरोप नहीं लगा रहे, बल्कि सबूतों के साथ उसे मीडिया के सामने रख रहे हैं। अपनी तीनों प्रेस वार्ताओं में राहुल मंच पर अकेले ही थे और पत्रकारों को खुला अवसर दिया गया कि वे राहुल गांधी से प्रश्न–प्रतिप्रश्न करें, उन पर तीखे सवाल दागें, उन पर आरोप लगाएं कि कांग्रेस कई राज्यों में हार चुकी है, इसलिए ऐसे आरोप लगा रही है। यानी पत्रकारों के पास पूरा मौका था कि वे अपने सवालों से राहुल गांधी को ऐसा घेरें कि उन्हें जवाब देना मुश्किल हो जाए। लेकिन ऐसा एक ही सूरत में हो सकता है जब राहुल गांधी के पास कोई जवाब न हो, या अपने बचाव में सामने रखने के लिए तथ्य न हों। आंकड़ें, तथ्य और सबूत तीनों से लैस होकर ही राहुल गांधी ने पत्रकारों का सामना किया, इसलिए अब तक किसी ने भी उन्हें गलत साबित नहीं किया। जबकि भाजपा ने चुनाव आयोग पर लगते हर आरोप पर आगे बढ़कर सफाई दी और इसमें राहुल गांधी पर निशाना साधा कि वे संवैधानिक संस्था को बदनाम कर रहे हैं।अब भाजपा का परोक्ष साथ देते हुए 272 लोगों का एक खुला खत सामने आया है। खुद को नागरिक समाज यानी सिविल सोसाइटी का नुमांइदा बताने वाले इस खत के हस्ताक्षरकर्ताओं में सेवानिवृत्त जज, नौकरशाह, सैन्य अधिकारी शामिल हैं। खत में कहा गया कि चुनाव आयोग भारत की चुनाव प्रणाली का सबसे अहम स्तंभ है। उस पर बार–बार सवाल उठाने से जनता का भरोसा कमजोर होता है और लोकतंत्र को नुकसान पहुंचता है। इस खुली चिठ्ठी में लिखा है कि पहले सेना, फिर न्यायपालिका और संसद पर सवाल उठाए गए, और अब चुनाव आयोग को निशाना बनाया जा रहा है। यह एक ख्तरनाक चलनश बन गया है, जिसमें चुनावी हार को छिपाने के लिए संस्थाओं की साख पर हमला किया जा रहा है। राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर श्वोट चोरीश का आरोप लगाया, उसे श्गद्दारश तक कहा और अधिकारियों को धमकाया, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने कोई आधिकारिक शिकायत या हलफनामा पेश नहीं किया। यह सिर्फ श्राजनीतिक नाराजगीश है, जिसका कोई ठोस आधार नहीं है। जब विपक्षी पार्टियां जीतती हैं, तब चुनाव आयोग पर कोई आरोप नहीं लगता, लेकिन हार मिलते ही आयोग को दोषी ठहराना शुरू हो जाता है। यह श्राजनीतिक अवसरवादश है। चिठ्ठी में लिखा है कि टीएन शेषन और एन गोपालस्वामी जैसे पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्तों ने आयोग को बेहद मजबूत और निष्पक्ष संस्था बनाया है, इसलिए आज उस पर बेबुनियाद हमले लोकतंत्र के लिए नुकसानदायक हैं। इस चिठ्ठी में अपील की गई है कि सभी भारतीय चुनाव आयोग और अन्य संवैधानिक संस्थाओं पर विश्वास बनाए रखें। फर्जी वोटर, गैर–नागरिक और अवैध प्रवासियों को वोटर लिस्ट से बाहर रखना देश की सुरक्षा और लोकतंत्र दोनों के लिए जरूरी है।इस खुली चिठ्ठी की सामग्री, उसकी भाषा और चयनित तरीके से राहुल गांधी पर हमला बोलना दिखा रहा है कि हस्ताक्षर करने वाले भले ही सेवानिवृत्त लोग रहे हों, लेकिन यह सब भाजपा के दिशा–निर्देश पर हो रहा है। वैसे सवाल है कि इन सेवानिवृत्त लोगों को केवल राहुल गांधी के आरोप ही क्यों दिख रहे हैं। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस वाय कुरैशी, राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल, प्रशांत भूषण, परकला प्रभाकर (निर्मला सीतारमण के पति) समेत कई और लोगों ने चुनाव आयोग पर ऐसे ही आरोप लगाए हैं। कांग्रेस के अलावा आरजेडी, टीएमसी, सपा, वामदल, डीएमके, शिवसेना, एनसीपी ने भी मतदाता सूची में गड़बड़ी के आरोप लगाए हैं। तो फिर अकेले राहुल गांधी को क्यों गलत दिखाया जा रहा है कि वे देश का नुकसान कर रहे हैं। वैसे तो चुनाव आयोग को खुद इतना सक्षम होना चाहिए कि वह अपने ऊपर लग रहे आरोपों को गलत साबित करे और उनका माकूल जवाब दे। लेकिन यहां कभी भाजपा और कभी ऐसे सिविल सोसाइटी के नुमाइंदे आयोग की ढाल बन कर आ रहे हैं। राहुल गांधी ने जब भी वोट चोरी के आरोप लगाए तो उन्हें कहा गया कि अपनी शिकायत लेकर सुप्रीम कोर्ट क्यों नहीं जाते। क्या यही बात यहां सिविल सोसाइटी के इन लोगों को नहीं कही जानी चाहिए कि आप पीआईएल दायर करिए। फिर अदालत ही तय करेगी कि किसकी रक्षा किससे करनी है। वैसे इन सेवानिवृत्त लोगों को हमारी सलाह है कि दिल्ली का प्रदूषण, ट्रेनों की बदहाली, एसआईआर के काम में कथित बोझ से आत्महत्या करते बीएलओ, आतंकवाद, घुसपैठ, असुरक्षित महिलाएं और न जाने कितने तरह की समस्याएं देश में हैं, जिनका समाधान हो तो देश का वाकई भला हो जाए। क्यों न इन्हें अपना अनुभव, शक्ति और सामर्थ्य वहां लगाना चाहिए। ताकि नौकरी के साथ भी और नौकरी के बाद भी देशसेवा का जज्बा बना रहे।वैसे इस चिठ्ठी के बाद अब 175 प्रमुख हस्तियों ने बिहार चुनाव, चुनाव आयोग और एसआईआर को लेकर खुला पत्र लिखा है। जिसमें कहा गया, हम देश के नागरिक पूरी तरह पारदर्शी, जवाबदेह, मुक्त और निष्पक्ष चुनावों की मांग करते हैं। हम बिहार चुनाव परिणाम को धोखाधड़ी मानते हैं और विपक्ष से भी यही मांग करते हैं कि वह इन परिणामों को स्वीकार न करे।

साँई चेतना सनातन धर्म मंदिर का कल मनेगा सोलहवां स्थापना दिवस

लखनऊ। साँई चेतना सनातन धर्म मंदिर अपना सोलहवां स्थापना दिवस दिनाँक 23-11-2025 दिन- रविवार को बड़े हर्षोल्लास से मना रहा है । कार्यक्रम निम्नानुसार साँई बाबा काकड़ आरती 6:00 बजे प्रातः, रूद्राभिषेक 6:30 बजे प्रातः, अर्चना आरती 7:30 बजे प्रातः, हवन पूजन 8:30 बजे प्रारंभ, भजन-कीर्तन।10:00 बजे प्रातःसे 1:00 बजे तक, मध्यान्ह आरती 12:00 बजे भंडारा प्रसाद वितरण 12:30 से प्रभु इच्छा तक,0धूपआरती=6:00 बजे सायं,=शेज आरती 8:00 बजे होगी। मंदिर प्रशासन ने सभी भक्त जनों से अनुरोध किया है की इस अत्यंत शुभ एवं पावन पर्व पर मंदिर में उपस्थित होकर आशीर्वाद प्राप्त करे और अपने जीवन को धन्य करें।

453वाँ युगऋषि वाड्मय स्थापित

लखनऊ। गायत्री ज्ञान मंदिर इंदिरा नगर, लखनऊ के विचार क्रान्ति ज्ञान यज्ञ अभियान के अन्तर्गत ''शेरवुड कॉलेज ऑफ नर्सिंग, सफेदाबाद रेलवे क्रासिंग के पास, धरसनिया, बाराबंकी, उ0प्र0'' के केन्द्रीय पुस्तकालय में गायत्री परिवार के संस्थापक युगऋषि पं0 श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा रचित सम्पूर्ण 79 खण्डों का 453वाँ ऋषि वाड्मय की स्थापना का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। श्री मुकेश श्रीवास्तव (पुत्र) एवं श्रीमती उर्मिला श्रीवास्तव (पुत्रवधु) ने अपने माता-पिता स्व0 श्रीमती सुषमा श्रीवास्तव एवं स्व0 श्री कौशल किशोर श्रीवास्तव की स्मृति में संस्थान के पुस्तकालय में युग ऋषि वाड्मय साहित्य भेंट किये तथा उपस्थित संकाय सदस्यों एवं छात्र-छात्राओं को अखण्ड ज्योति (हिन्दी) पत्रिका भी भेंट किये। इस अवसर पर वाड्मय स्थापना अभियान के मुख्य संयोजक उमानंद शर्मा ने कहा कि 'ऋषि का सद्ज्ञान मानव जीवन का आधार है।' इस अवसर पर श्री वी0के0 श्रीवास्तव एवं संस्थान के निदेशक (सामान्य प्रशासन) श्री सतीश कुमार श्रीवास्तव ने भी अपने विचार व्यक्त किये। संस्थान के प्रधानाचार्य डॉ0 राज अमित सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर गायत्री ज्ञान मंदिर के प्रतिनिधि श्री उमानंद शर्मा, देवेन्द्र सिंह, वी0के0 श्रीवास्तव, श्री मुकेश श्रीवास्तव, श्रीमती उर्मिला श्रीवास्तव एवं संस्थान के निदेशक सतीश कुमार श्रीवास्तव, प्रधानाचार्य डॉ0 राज अमित सिंह, निदेशक श्री प्रदीप पाण्डेय, एसोसिएट प्रोफेसर श्रीमती शिवांगी मौर्य, रजिस्ट्रार श्री विजय यादव, संकाय सदस्य एवं छात्र-छात्रायें मौजूद रहे।

चेतराम की तेरहंवी में पहुंचकर अजय राय व्यक्त की संवेदना

लखनऊ। पिछले दिनों सुल्तानपुर जिले के कूरेभार के ढेसरुआ गांव निवासी मोची रामचेत जी का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वे काफी लंबे समय से कैंसर तथा टीबी जैसी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे थे। ज्ञातव्य हो कि पिछले वर्ष 26 जुलाई को जननायक राहुल गांधी सुल्तानपुर से लखनऊ लौटते समय विधायक नगर स्थित श्री रामचेत की गुमटी पर रुके थे और बातचीत के दौरान उनकी आर्थिक स्थिति देख मदद का आश्वासन दिया था। उसके बाद राहुल गांधी जी की पहल से रामचेत को जूते-चप्पल सिलाई के लिए अत्याधुनिक मशीन व कच्चा माल मुहैया कराया गया, जिससे उनका व्यवसाय पटरी पर लौटने लगा था। रामचेत जी की बीमारी के दरम्यान भी जननायक श्री राहुल गांधी जी ने यथा संभव सहयोग किया। आज कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय जी ने स्व0 चेतराम जी की तेरहंवी में उनके आवास जनपद सुल्तानपुर पहुंचकर शामिल हुए तथा परिवारजनों से मिलकर संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस दुख की घड़ी में पूरा कांग्रेस परिवार स्व0 चेतराम जी के परिजनों के साथ खड़ा है।

दुधवा राष्ट्रीय उद्यान के लिए विशेष एसी बस सेवा पूरे नवंबर तक जारी

लखनऊ। आगामी छुट्टियों में बढ़ते आवागमन को देखते हुए लखनऊ के कैसरबाग बस स्टेशन से दुधवा नेशनल पार्क के लिए चलाई जा रही विशेष एसी 2म2 बस सेवा को अब पूरे नवंबर महीने तक बढ़ा दिया गया है। यह सेवा 4 नवंबर को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू की गई थी और प्रारंभिक रूप से केवल पंद्रह दिनों के लिए तय की गई थी, लेकिन यात्रियों की उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया को देखते हुए यूपीएसआरटीसी ने इसे पूरे माह संचालित करने का निर्णय लिया है। इस निर्णय से प्रकृति और वन्यजीव प्रेमियों को दुधवा की हरियाली, दुर्लभ जैव विविधता और शांत प्राकृतिक वातावरण का अनुभव एक सहज और किफायती तरीके से मिलेगा। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि यह सेवा उत्तर प्रदेश इको टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड के प्रस्ताव पर शुरू की गई है,।

एक दिसंबर से गोंडा रूट की 22 ट्रेनों का संचालन होगा बाधित

लखनऊ। लखनऊ में घाघरा से चौकाघाट के बीच तीसरी रेलवे लाइन की कमीशनिंग के लिए लिए गए ट्रैफिक ब्लॉक के कारण 1 से 4 दिसंबर तक 22 ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहेगा। कई ट्रेनें रद्द की गई हैं, कुछ परिवर्तित मार्ग से चलेंगी और कई को रास्ते में 45 से 75 मिनट तक रोककर संचालित किया जाएगा।लखनऊ में घाघरा से चौकाघाट के बीच तीसरी रेलवे लाइन कमीशनिंग के लिए रेलवे ने ट्रैफिक ब्लॉक लिया है। इस कारण एक से चार दिसंबर के बीच 22 ट्रेनों का संचालन बाधित होगा। पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने बताया कि 55091 व 55092 गोंडा सीतापुर सिटी एक्सप्रेस चार व पांच दिसंबर को निरस्त रहेगी। इसी क्रम में तीन दिसंबर को 15212 अमृतसर दरभंगा एक्सप्रेस, 12598 मुंबई गोरखपुर एक्सप्रेस, 15652 जम्मूतवी गुवाहाटी, 15707 कटिहार अमृतसर, 15066 पनवेल गोरखपुर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग से बाराबंकी, अयोध्या कैंट, मनकापुर के रास्ते चलेंगी।पहली दिसंबर को 15532 अमृतसर सहरसा एक्सप्रेस, 06529 बंगलूरू गोमतीनगर, चार दिसंबर को 15065 गोरखपुर पनवेल एक्सप्रेस तथा दो दिसंबर को 12512 तिरुवनंतपुरम गोरखपुर एक्सप्रेस उपरोक्त मार्ग से ही चलेगी। यह ट्रेनें गोंडा स्टेशन पर नहीं रुकेंगी। सीपीआरओ ने आगे बताया कि 15653 गुवाहाटी जम्मूतवी एक्सप्रेस, 55091 गोंडा सीतापुर सिटी, 02569 दरभंगा नई दिल्ली ट्रेनें तीन दिसंबर को, 15530 आनंद विहार सहरसा जंक्शन, 15070 ऐशबाग गोरखपुर, 02563 बरौली नई दिल्ली, 02569 दरभंगा नई दिल्ली, 15032 लखनऊ गोरखपुर, 15204 लखनऊ बरौनी एक्सप्रेस चार दिसंबर को, 55091 गोंडा सीतापुर सिटी, 15098 जम्मूतवी भागलपुर एक्सप्रेस दो दिसंबर को रास्ते में पौन घंटे से लेकर सवा घंटे तक रोककर चलाई जाएंगी।

सनातन ध्वजवाहिका सपना गोयल, नवम्बर में 28 को हरिद्वार और 29 को रुड़की में करेंगी सुंदरकांड का सामूहिक पाठ

लखनऊ। ईश्वरीय स्वप्नाशीष सेवा समिति की ओर से सनातन ध्वज वाहिका सपना गोयल की अगुवाई में शुक्रवार 21 नवम्बर को चिनहट के रजत डिग्री कॉलेज के सामने स्थित भव्य 'सनातन धाम लॉन' परिसर में मासिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें सनातन ध्वज वाहिका सपना गोयल ने बताया कि शुक्रवार 28 नवम्बर को उत्तराखंड के हरिद्वार स्थित पावन तीर्थस्थल 'हर की पौड़ी' और शनिवार 29 नवम्बर को रुड़की के पावन तीर्थस्थल शिव मन्दिर में मातृ शक्तियों द्वारा दोपहर 12 बजे भव्य सुन्दर काण्ड महायज्ञ किया जाएगा। हर की पौड़ी, हरिद्वार के सबसे प्रमुख धार्मिक स्थलों में शामिल है। हर की पौड़ी का मतलब है भगवान विष्णु के चरण जहां स्नान करना बहुत ही पावन माना गया है वहीं रुड़की के सिविल लाइन्स में स्थित प्रतिष्ठित शिव मंदिर देश का प्रमुख सिद्धेश्वर महादेव शिव मंदिर है जहां भक्तों की सभी सच्ची मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। सपना गोयल के अनुसार आयोजन तब और भी अहम हो जाता है जब कि सनातन आस्था के केन्द्र बने अयोध्या तीर्थ में बीते 25 नवंबर को श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य शिखर पर ध्वजारोहण का महासंकल्प पूरा हुआ है। यह ध्वजारोहण सनातन युग की शुरुआत और वैश्विक स्तर पर भारतीयों की जागृति का प्रतीक बन गया है। उत्तराखंड के सुदंरकांड अनुष्ठान में 'सुन्दर काण्ड महाअभियान, भारत वर्ष की बने पहचान' से जुड़ी सैकड़ों मातृशक्तियां स्थानीय स्तर पर एकत्र होकर उत्तराखंड पहुंच रही हैं। सपना गोयल के अनुसार उनके अभियान की साड़ी का रंग ही पीताम्बर नहीं है बल्कि यह एक संकल्प और संयम का भी प्रतीक है। वास्तव में पीले रंग की साड़ी हमें संदेश देती है कि इसको धारण करने वाला सनातन धर्म के लिए संकल्पित है। वह पवित्रता और भक्ति के मार्ग पर चल कर सुंदरकांड का पाठ करते हुए सुंदर समाज की नींव रखेगा। पीतांबर ज्ञान का भी प्रतीक है जो हमें सुंदरकांड के पाठ से सहज उपलब्ध होता है। सुंदरकांड के पाठ से हनुमान जी की कृपा प्राप्त होती है, जिससे जीवन की बाधाएं, दुख और संकट दूर होते हैं। इसके साथ ही, यह मानसिक शांति, सकारात्मकता, बल, बुद्धि और आत्मविश्वास बढ़ाता है, और पारिवारिक सद्भाव में सुधार करता है। इस अवसर पर उन्होंने एक बार पुनः 'वोकल फॉर लोकल' का संदेश भी दिया। जिसका समर्थन मातृशक्तियों ने 'दूध, दही मट्ठा थाली में, पेप्सी, कोकोकोला नाली में' नारा लगाते हुए किया। सपना गोयल के अनुसार लखनऊ के झूलेलाल वाटिका से शुरू हुआ सुंदरकांड महा अभियान केवल एक साल की अल्पावधि में भारतवर्ष की पहचान बन गया है। बिना किसी सरकारी या निजी सहयोग के, बीते 10 मार्च 2024 को महिला दिवस के उपलक्ष्य में पांच हजार से अधिक मातृशक्तियों द्वारा लखनऊ के झूलेलाल घाट पर सामूहिक सुंदरकांड का भव्य अनुष्ठान सम्पन्न करवाया गया था। सामूहिक सुंदरकांड का अभियान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वृहद रूप में निरंतर संचालित किया जा रहा है। इसके तहत नैमिषारण्य तीर्थ, उत्तराखंड कोटद्वार के प्रतिष्ठित प्राचीन मंदिर सिद्धबली परिसर, काशी के बाबा विश्वनाथ मंदिर परिसर, मथुरा स्थित भगवान कृष्ण जन्मभूमि मंदिर परिसर और प्रयागराज के लेटे हुए हनुमान मंदिर परिसर में भी सामूहिक सुंदरकांड पाठ का अनुष्ठान, सफलतापूर्वक आयोजित करवाया जा चुका है। इसके साथ ही अयोध्या जी जन्मभूमि परिसर में मातृशक्तियों द्वारा सामूहिक 'मासिक सुंदरकाण्ड पाठ' का सिलसिला बीते साल 11 सितम्बर से शुरू हो गया है। वर्तमान में यह अभियान देश ही नहीं विदेशों तक में लोगों को भारतीय संतों और देवों की महान संस्कृति से जोड़ रहा है।

उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में अग्रणी स्थान पर : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अधिकारियो को निर्देश दिये है कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की स्थापना में टार्गेट, ट्रेनिंग और टेक्नोलॉजी पर फोकस किया जाय।खाद्य प्रसंस्करण उद्योगो की स्थापना मे गति बढ़ायी जाय।महिलाओं की बढ़ती भूमिका से लेकर फूड पार्क तक उप मुख्यमंत्री के निर्देशों से तस्वीर बदलेगी। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना में प्रत्येक जिले में काम से कम 1000 यूनिट स्थापित कराई जाए।यूनिटों की स्थापना के लिए कैंप लगाकर लोगों को प्रेरित किया जाए। इसके रुहेलखंड, बुंदेलखंड व ब्रज क्षेत्र में विशेष रूप से फोकस किया जाए। हर कार्य में पारदर्शिता स्पष्ट रूप से झलकनी चाहिए। कार्य धरातल पर नजर आने चाहिए।खाद्य प्रसंस्करण के सभी अच्छे कार्यों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपलोड कराया जाए। टी एच आर प्लांट की सभी यूनिटों को सोलर पावर से जुड़वाने की कार्यवाही व अविलम्ब पूरी की जाए,इसके लिए राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन त्वरित कार्यवाही करें। खाद्य प्रशिक्षण केदो का दायरा बढ़ाया जाए, ट्रेडों की संख्या बढ़ाई जाए।खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति 2023 व पीएमएफएमई योजना में दी जा रही सुविधाओं का ग्राम पंचायत की दीवारों पर लेखन कराया जाए।उत्तर प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति में 428 यूनिट स्थापित, 192 की सब्सिडी जारी, 58 में सोलर पावर प्लांट लगाये गये हैं। उत्तर खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में अग्रणी स्थान पर है। श्री केशव प्रसाद मौर्य शुक्रवार को अपने कैंप कार्यालय 7 - कालिदास मार्ग पर आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक में खाद्य प्रसंस्करण विभाग के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक में अपर मुख्य सचिव, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण, उ0प्र0 शासन द्वारा अवगत कराया गया कि उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में अग्रणी स्थान पर है, सबसे अधिक खाद्य प्रसंस्करण के उद्योग स्थापित हैं। वर्तमान में प्रदेश में लगभग 75000 खाद्य प्रसंस्करण इकाईयां स्थापित हैं। 3.5 लाख इकाईया असंगठित क्षेत्र (एम0एस0एम0ई0) की है। 2900 इकाई लगभग 100 करोड टर्न-ओवर वाली है। पीएम एफएमई योजना के अन्तर्गत इस वर्ष स्वीकृत प्रस्ताव सर्वाधिक हैं, जिनका स्ट्राइक रेट 98 प्रतिशत है जो कि प्रथम स्थान पर है। पीएमएफएमई योजना के अन्तर्गत 21057 से अधिक इकाईयों को अनुदान स्वीकृति प्रदान की गयी है। खाद्य प्रसंस्करण के माध्यम से 10.0 लाख से अधिक प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार का सृजन किया गया है। उप मुख्यमंत्रीद्वारा निर्देशित किया गया कि खाद्य प्रसंस्करण कार्यक्रम अंतर्गत भारत सरकार एवं राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप महिलाओं की अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करायी जाय, इसके लिए पृथक से कार्य योजना बनाते हुए कार्य क्रियान्वयन सुनिश्चित कराया जाय।वित्तीय वर्ष 2017-18 से अद्यतन स्थापित इकाईयों की संख्या एवं यूनिट का विवरण उपलब्ध कराया जाय। फूड पार्क की स्थापना पर बल दिया जाय, प्रदेश में स्थापित मिनी फूड पार्क जो मेगा फूड पार्क में बदलाव हुआ है की सूची विस्तृत विवरण के साथ उपलब्ध करायी जाय। पीएमएफएमई योजना में प्रत्येक जनपद हेतु निर्धारित लक्ष्य की पूर्ति वर्तमान वित्तीय वर्ष में सुनिश्चित कराया जाय।प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार की जनपदवार गणना करके सूची उपलब्ध करायी जाय।प्रदेश में वित्तीय वर्ष 2017-18 से अद्यतन कुल पूंजीगत निवेश की गणना करके सूचना उपलब्ध करायी जाय। बताया गया कि उ0प्र0 खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के संबन्ध में अवगत कराया गया कि वर्ष 2023 से अद्यतन 1394 आवेदन आनलाईन प्राप्त हुए जिसमें से कतिपय कमियों एवं डुपलीकेट होने के कारण 966 आवेदन प्री अप्रेजल, अप्रेजल एवं एस0एल0ई0सी0 द्वारा निरस्त किए गये। अनुदान धनराशि प्रथम द्वितीय किश्त के रूप में वर्ष 2023 से अब तक कुल स्वीकृत धनराशि रू. 600 करोड़ के सापेक्ष रु0 192.33 करोड़ व्यय हुआ है। कुल 190 निवेशकों को अनुदान दिया गया। 65 इकाइयों को दोनों किश्त एवं 125 इकाइयों को प्रथम किश्त का भुगतान किया गया है।चालू वित्तीय वर्ष में कुल स्वीकृत बजट रु 300 करोड़ के सापेक्ष अद्यतन नवम्बर, 2025 तक धनराशि रू 61.16 करोड़ तक भुगतान किया गया है। अवगत कराया गया कि योजनान्तर्गत क्रियाशील 58 इकाईयों पर सोलर प्लाण्ट की परियोजनाओं की स्वीकृति की गयी है।

एक नजर

यूपी विधान परिषद चुनाव के लिए 6 जनवरी को जारी होगी अंतिम मतदाता सूची

लखनऊ। चुनाव आयोग ने उत्तर प्रदेश विधान परिषद के खंड स्नातक के 5 निर्वाचन क्षेत्रों लखनऊ, वाराणसी, आगरा, मेरठ व इलाहाबाद-झांसी और खंड शिक्षक के 6 निर्वाचन क्षेत्रों लखनऊ, वाराणसी, आगरा, मेरठ, बरेली-मुरादाबाद व गोरखपुर- फैजाबाद की मतदाता सूचियों को नए सिरे से तैयार किए जाने को लेकर संशोधित कार्यक्रम जारी किया है। फाइनल मतदाता सूचियों का प्रकाशन 6 जनवरी को होगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि संशोधित कार्यक्रम के अंतर्गत पांडुलिपियों की तैयारी और मुद्रण 27 नवंबर तक पूरा किया जाएगा। मतदाता सूचियों के ड्राफ्ट का प्रकाशन 2 दिसंबर को किया जाएगा। उन्होंने बताया कि दावे और आपत्तियों की प्रक्रिया 2 दिसंबर से 16 दिसंबर तक चलेगी। इनका निस्तारण 30 दिसंबर तक पूरा कर अनुपूरक सूची जारी कर दी जाएगी। अंतिम मतदाता सूची 6 जनवरी को प्रकाशित होंगी।

बोगस मतदाताओं के नाम हटवाने के साथ सूची में रखें साथ : धर्मपाल

लखनऊ। भाजपा प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने शुक्रवार को प्रदेश मुख्यालय में अवध क्षेत्र की मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) की बैठक में कहा कि इसमें कोई भी कसर बाकी नहीं रहनी चाहिए। चुनाव के समय हर बूथ पर जैसे पार्टी का बस्ता लगता है, वैसे ही बीएलए-2, बूथ अध्यक्ष तथा बूथ प्रवासी रोजाना बूथ पर रहें और सुनिश्चित करें कि बूथ पर सभी मतदाताओं के गणना फार्म जमा हो जाएं। इसके अलावा नए मतदाताओं के नाम जुड़वाना तथा मृत, अन्यत्र स्थानांतरित या बोगस मतदाताओं के नाम हटवाने का काम भी करना है और उसकी सूची भी अपने पास रखनी है।उन्होंने कहा कि एसआईआर अभियान सिर्फ बीएलए-2, बूथ अध्यक्ष तथा बूथ प्रवासी की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि सभी पदाधिकारियों, नेताओं, जनप्रतिनिधियों तथा कार्यकर्ताओं की सामूहिक जिम्मेदारी है। चुनाव की तरह एसआईआर में भी उत्साह के साथ जुटना है। प्रत्येक बूथ पर विचार परिवार के लोग बडी संख्या में रहते हैं। हमें उनसे संपर्क करके उन्हें इस अभियान में सक्रिय करना चाहिए। मंडल अध्यक्ष के पास प्रत्येक बूथ पर रहने वाले पार्टी कार्यकर्ताओं की लिस्ट होनी चाहिए। बीएलए-1, बीएलए-2, बूथ प्रवासी तथा बूथ अध्यक्ष के बीच प्रतिदिन संवाद होना चाहिए और प्रतिदिन का टास्क निर्धारित होना चाहिए।

प्रदेश में गिरेगा पारा, रात को लेकर चेतावनी जारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में शनिवार से दोबारा पछुआ हवाओं का दौर शुरू होगा और इससे मौसम में बदलाव के संकेत हैं। मौसम विभाग का कहना है कि शनिवार से यूपी में पहाड़ों से आ रही पछुआ हवाएं प्रवेश करेंगी। इसके असर से प्रदेश भर में अगले पांच दिनों में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आने की संभावना है। न्यूनतम तापमान में दिन के मुकाबले ज्यादा गिरावट के संकेत हैं। साथ ही सुबह और शाम के वक्त कोहरे और धुंध का असर दिखाई देगा। शुक्रवार को प्रदेश के कई इलाकों में दिन की धूप में तपिश गायब रही और दोपहर बाद धुंध का असर रहा। बाराबंकी और बुलंदशहर 11 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान के साथ प्रदेश में ठंडे रहे।आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह का कहना है कि शनिवार से प्रदेश में हवा का रूख बदल कर पछुआ हो जाएगा। हिमालयी क्षेत्रों से आ रही ठंडी व शुष्क पछुआ के असर से प्रदेश में 2 से 4 डिग्री तक की गिरावट के संकेत हैं।

एडीजी पद्मजा चौहान ने डिफेंस एक्सपो स्थल का किया निरीक्षण किया

लखनऊ। लखनऊ के वृंदावन योजना स्थित डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में 23 से 29 नवंबर तक होने वाले भारत स्काउट एवं गाइड के डायमंड जुबली जम्बूरी से पहले सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड में हैं। शुक्रवार को अपर पुलिस महानिदेशक (अग्निशमन एवं आपात सेवा) पद्मजा चौहान ने पूरे परिसर का विस्तृत फायर सेफ्टी निरीक्षण किया और आयोजन स्थल पर बनी अस्थायी संरचनाओं की अग्नि-सुरक्षा मजबूत करने के निर्देश दिए। इस जम्बूरी में देश-विदेश के 35 हजार से अधिक स्काउट-गाइड शामिल होंगे। इसके अलावा महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित कई वीवीआईपी का आगमन प्रस्तावित है। ऐसे में फायर डिपार्टमेंट ने पूरे परिसर को हाई-सिक्योरिटी जोन मानकर सुरक्षा मानकों की समीक्षा की है। एडीजी पद्मजा चौहान ने अधिकारियों से कहा कि किसी भी स्थिति में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था में त्रुटि नहीं होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि तैनात टीमें 24म7 सतर्क रहें और किसी भी आपात स्थिति के लिए त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली सक्रिय रखी जाए। निरीक्षण के दौरान अस्थायी स्टेडियम, 350 एकड़ में फैले टेंट सिटी क्षेत्र, विभिन्न हैंगर, हॉस्टल और प्रशासनिक स्ट्रक्चर का गहन परीक्षण किया गया। एडीजी के साथ मुख्य अग्निशमन अधिकारी लखनऊ अंकुश मित्तल, नोडल मुख्य अग्निशमन अधिकारी भारतेंदु जोशी और पीजीआई के अग्निशमन अधिकारी मामचंद बड़गूजर भी मौजूद रहे। टीम ने बिजली कनेक्शन, फायर प्वाइंट्स, निकासी मार्ग, पानी की उपलब्धता और आपातकालीन वाहन गतिशीलता जैसे सभी महत्वपूर्ण पहलुओं की जांच की। एडीजी ने लखनऊ एवं अन्य जिलों से ड्यूटी पर लगाए गए फायर अधिकारियों और कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि आयोजन के दौरान भीड़ प्रबंधन और आग से निपटने की तैयारियां हर समय सक्रिय रहें। उन्होंने बताया कि इतने बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजन में एक भी त्रुटि गंभीर परिणाम ला सकती है, इसलिए विभाग को पूरी मजबूती के साथ कार्य करना होगा। डिफेंस एक्सपो स्थल पर विशाल टेंट सिटी, 35 हजार क्षमता के एरिना स्टेडियम और 100 संरचनाओं के चलते यह उत्तर प्रदेश के इतिहास में सबसे बड़े अस्थायी फायर सेफ्टी प्रोजेक्ट्स में से एक बन गया है। फायर विभाग ने बताया कि आयोजन के दिनों में अतिरिक्त दमकल वाहन, हाइड्रॉलिक प्लेटफॉर्म, एम्बुलेंस और रैपिड रेस्पॉन्स टीमें तैनात रहेंगे, ताकि किसी भी तरह की जोखिमपूर्ण स्थिति पर तुरंत नियंत्रण पाया जा सके।

बलिया–अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के गोरक्ष–प्रांत के–65–वें प्रांतीय अधिवेशन में की गयी नई घोषणाएँ'

बलिया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के –65–वें प्रांतीय अधिवेशन में गोरक्ष–प्रांत की विभिन्न जिम्मेदारियों की घोषणा की गई अधिवेशन में निम्न महत्वपूर्ण दायित्व सौंपे गए–जिसमे बेल्थरा नगर के इमाद अहमद बने प्रांतीय कार्यकारिणी के सदस्य,गोरक्ष–प्रांत बलिया के नगरा नगर के राजीव रेबल बने प्रांतीय सोशल मीडिया के सह–संयोजक घोषणा के बाद इमाद अहमद ने कहा– ।ठटच्– द्वारा–65–वें प्रांटिया अधिवेशन में दिए गए इस दायित्व के लिए मैं ह्रदय से आभारी हूँ। मैं संगठन,छात्र हित और राष्ट्र निर्माण के कार्यों में पूर्ण निष्ठा से योगदान दूँगा अधिवेशन में उपस्थित वरिष्ठ पदाधिकारियों ने सभी को नई जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएँ दीं।

बलिया–'राष्ट्रीय पत्रकार समर्पण संघष्के राष्ट्रीय,अध्यक्ष–राजेश 'महाजन' के नेतृत्व मे 'महिला–प्रकोष्ठ' के राष्ट्रीय, अध्यक्षा–दुर्गा देवी (पत्रकार) ने मनाया–राष्ट्रीय, उपाध्यक्षा–शान्ति देवी (पत्रकार) का 34वाँ जन्म–दिन

बलिया। नगर के जपलिनगंज बालेश्वर मंदिर के सामने कैंप कार्यालय पर राष्ट्रीय पत्रकार समर्पण संघष्के महिला–प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय उपाध्यक्षा–शान्ति देवी(पत्रकार) का–34–वाँ–जन्म दिन महिला–प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय,अध्यक्ष–दुर्गा

देवी ने मनाया गया जिसमें शांति देवी ने अपने जन्म–दिन पर केक काटा और संगठन के सभी सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया और सभी के प्रति–आभार व्यक्त किया संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष–राजेश ष्महाजनष्ने कहा किष्राष्ट्रीय पत्रकार समर्पण संघष्के सभी सदस्यगण का ऐसे ही जन्म–दिन मनना चाहिए और जो पत्रकार हमारे संगठन का न हो उसका भी जन्मदिन हम इसी तरह बनना चाहेंगे महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय,अध्यक्षा–दुर्गा देवी ने कहा कि एक महिला पत्रकार समाज में रहकर समाज को आईना दिखाने का काम करती है यह महिला की सबसे बड़ी उपलब्धि होती है कार्यक्रम में संगठन के पत्रकार बंधु, संरक्षक गण में विजय सोनी (पत्रकार), राकेश कुमार गुप्ता, कानूनी सलाहकार एड०–प्रेम शंकर वर्मा,अपराध निरोधक कमेटी के जिला मंत्री रामनाथ सिंह, जनता का सच– समाचार, पत्र के जिला ब्यूरो–चीफ, अश्वनी राय, **AWPL**–के एडवाईजर परमात्मा नन्द, शशिभूषण चौबे, अजय तिवारी (पत्रकार), मोहसिन मंजर रिंकू (पत्रकार), इंदु गुप्ता, संगीता मिश्रा एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक महोदय महराजगंज श्री सोमेन्द्र मीणा के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक महराजगंज श्री सिद्धार्थ के मार्गदर्शन में प्रभारी यातायात मय टीम द्वारा जनपद महराजगंज में लोगों को यातायात जागरूकता के नियमों के बारें में जागरूक किया गया

महराजगंज। यातायात माह नवम्बर 2025 के दृष्टिगत आज दिनांक 20–11–2025 को यातायात पुलिस द्वारा श्री बजरंगी सिंह इंटरमीडिएट कॉलेज कस्बा घुघली महराजगंज के छात्र और छात्राओं को पंपलेट बांटकर यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया और सड़क सुरक्षा शपथ दिलाया गया और साथ ही साथ स्कूल में बाइक से आने वाले छात्र और छात्राओं को जागरूक किया गया कि जब आपका ड्राइविंग लाइसेंस बन जाए तभी वाहन चलायें और वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग करें तथा सदैव यातायात नियमों का पालन करें। स्कूल में बाइक से आने वाले छात्र और छात्राओं को चेतावनी देकर छोड़ा गया कोई जुर्माना नहीं किया गया।

राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज नौतनवां महराजगंज प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ

महराजगंज। जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा विज्ञप्ति के माध्यम से सूचित किया गया है कि समाज कल्याण विभाग द्वारा निर्मित बाबू जगजीवन राम (बालिका) छात्रावास नौतनवां जो राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज नौतनवां महराजगंज के परिसर में स्थित है, प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ हो चुकी है। जिसमें निःशुल्क प्रवेश हेतु सभी इच्छुक बालिकायें/छात्राएँ विभागीय वेबसाईट **https://upswdhms.upsdc.gov.in** पर अपना आनलाइन आवेदन कर सकती हैं। आवेदन करने की विस्तृत प्रक्रिया उक्त विभागीय वेबसाई पर उपलब्ध है तथा अधिक जानकारी के लिए कार्यालय–जिला समाज कल्याण अधिकारी महराजगंज से किसी भी कार्य–दिवस में सम्पर्क किया जा सकता है।

पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी श्री कन्हैया यादव द्वारा विज्ञप्ति

महराजगंज। पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी श्री कन्हैया यादव द्वारा विज्ञप्ति के माध्यम से सूचित किया गया है कि पिछड़े वर्ग के बेरोजगार युवक/युवतियों के लिए संचालित 'ओ' लेवल एवं सी०सी०सी० कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजनान्तर्गत भारत सरकार की अधिकृत संस्था 'नीलिट' (राष्ट्रीय इलेक्ट्रानिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान) से मान्यता प्राप्त जनपद में संचालित शिक्षण संस्थाओं से प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए पिछड़े वर्ग के युवक/युवतियों को विभागीय वेबसाइट **backwardwelfareup.gov.in** पर दिये गये लिंक एवं **https://obccomputertraining.upsdc.gov.in** पर आनलाईन आवेदन दिनांक 20–11–2025 से दिनांक 01–12–2025 तक करना होगा। आनलाईन आवेदन करने के उपरान्त आवेदन पत्र की हार्ड कापी संलग्नकों सहित जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी महराजगंज के कार्यालय में दिनांक 02–12–2025 के सायं 5:00 बजे तक अनिवार्य रूप से जमा कराना होगा।

जिलाधिकारी श्री सन्तोष कुमार शर्मा ने आज बड़हरा रानी में फार्मर रजिस्ट्री एवं विशेष गहन पुनरीक्षण 'एसआईआर' कार्यक्रम के कार्यों का औचक निरीक्षण किया

महराजगंज। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी महोदय ने पंचायत भवन पर संचालित फॉर्मर रजिस्ट्री की प्रगति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्य में और तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि ग्रीन सूची के अंतर्गत 28 किसानों तथा सूची से बाहर के 12 किसानों की फॉर्मर रजिस्ट्री की जा चुकी है। उन्होंने निर्देशित किया कि ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक जागरूकता अभियान चलाकर पात्र किसानों को शीघ्र रजिस्ट्री पूर्ण करने हेतु प्रेरित किया जा किसानों से संवाद करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि आगामी समय में सरकार की अधिकांश कृषि योजनाएँ, सब्सिडी, खाददृबीज वितरण एवं अन्य लाभकारी सुविधाएँ केवल उन्हीं किसानों को उपलब्ध होंगी जिनकी फॉर्मर रजिस्ट्री पूर्ण होगी। इससे वास्तविक किसानों की पहचान सुनिश्चित होगी और फर्जीवाड़े पर प्रभावी रोक लग सकेगी। उन्होंने किसानों से अपील की कि

सभी पात्र किसान बिना किसी देरी के अपनी रजिस्ट्री पूर्ण कराएं, ताकि किसी भी सुविधा से वंचित न रह जाएं। जिलाधिकारी ने विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत बीएलओ द्वारा की जा रही गणना प्रपत्रों के वितरण, प्राप्ति एवं प्रपत्र भरवाने की प्रक्रिया की समीक्षा की। बीएलओ श्री सत्यप्रकाश वर्मा एवं श्री राजेंद्र प्रसाद ने अवगत कराया कि सभी मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित कर दिए गए हैं तथा उन्हें भरवाकर जमा कराया जा रहा है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन कार्य समानांतर रूप से किया जाए तथा प्रपत्रों के साथ संलग्न की जाने वाली तस्वीरें स्पष्ट एवं उच्च गुणवत्ता वाली हों। आवश्यकता पड़ने पर बीएलओ अपने मोबाइल से मतदाता की फोटो लेकर उसे संलग्न करें। उन्होंने कहा कि एसआईआर का प्रमुख उद्देश्य शुद्ध, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करना है, इसलिए किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सही मतदाता सूची लोकतांत्रिक व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाती है। बड़हरा रानी के बूथ संख्या 107 पर 1011 तथा बूथ संख्या 108 पर 853 मतदाता पंजीकृत हैं निरीक्षण के दौरान उन्होंने ग्रामीणों को खेतों में पराली न जलाने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि पराली जलाने से मिट्टी की उर्वरता घटती है, उत्पादन प्रभावित होता है तथा पर्यावरण प्रदूषण बढ़ता है। उन्होंने पराली प्रबंधन के वैज्ञानिक उपायों एवं इसके वैकल्पिक उपयोग के बारे में किसानों को जागरूक किया। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी (वि/रा) डॉ. प्रशांत कुमार भी उपस्थित रहे।

भूमि अधिग्रहण के दौरान कथित गड़बड़ी और मुआवजा बढ़ाने के नाम पर की गई ठगी

महराजगंज। घुघली–आनंदनगर बाया महराजगंज नई रेल लाइन परियोजना में भूमि अधिग्रहण के दौरान कथित गड़बड़ी और मुआवजा बढ़ाने के नाम पर की गई ठगी के मामले में अपर जिलाधिकारी न्यायिक नवनीत गोयल की रिपोर्ट के आधार पर जिलाधिकारी महोदय ने तीन लोगों को दोषी पाया है। उन्होंने जांच रिपोर्ट जिलाधिकारी महोदय ने उ. प्र. सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली/1956 के नियम 3 एवं 11 का उल्लंघन पाए जाने पर उ.प्र. सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली/1999 के नियमदृ7 के अंतर्गत श्री आकाश चन्द बादल को तात्कालिक प्रभाव से निलंबित कर दिया है। मामला सदर तहसील क्षेत्र के पकड़ी नौनिया का है। शिकायतकर्ता मोहम्मद उमर खान ने 06 अक्टूबर को जिलाधिकारी को दिए अपने प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया था, कि आकाश चंद बादल ने दो अन्य लोगों के साथ मिलकर उनकी भूमि की मालियत बढ़ाकर अधिक मुआवजा दिलाने का झांसा देकर 42 लाख रुपये की ठगी की। पीड़ित के अनुसार, लेखपाल ने भरोसा दिलाया था कि यदि धनराशि दी जाए तो जमीन की मूल्यांकन दर बढ़ाकर अधिक मुआवजा मिल सकता है। इसी धोखे में आकर उन्होंने अपने तीन भाइयों – मोहम्मद जहागीर खान से 15.78 लाख, मोहम्मद आमिर खान से 10.44 लाख और स्वयं के नाम से 15.78 लाख के तीन चेक आरोपितों को दिए। उमर खान का आरोप है, कि ये सभी चेक प्रेमचंद नामक व्यक्ति के खाते में जमा कर राशि निकाल ली गई। धन वापस मांगने पर आरोपितों ने धमकी देते हुए पैसा देने से मना कर दिय शिकायत के बाद जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने मामले की जांच एडीएम न्यायिक नवनीत गोयल को सौंपी थी। एडीएम (न्यायिक) नवनीत गोयल की जांच में तीन लोग दोषी पाए गए, जिसके आधार पर आकाश चंद को जिलाधिकारी महोदय ने तत्काल निलम्बित करते हुए अग्रिम कार्यवाही का आदेश दिया है। जिलाधिकारी महोदय ने कहा कि भ्रष्टाचार के मामले में सरकार की स्पष्ट नीति है कि भ्रष्टाचार के मामलों में शून्य सहिष्णुता को अपनाया जाए। अतः इस प्रकार के कृत्य को किसी सूरत में स्वीकार नहीं किया जाएगा और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी।

अवैध रूप से चल रही डेयरियों पर एक्शन, नगर निगम को मिली थी शिकायत 8 भैंस, 7 गाय और 1 बछिया जब्त

लखनऊ। अमीनाबाद में अवैध रूप से चल रही डेयरियों पर नगर निगम ने एक्शन लिया है। लोगों की शिकायत के बाद नगर निगम की टीम पहुंची और डेयरियों पर छापे मारे। इस दौरान टीम ने 8 भैंस, 7 गाय और 1 बछिया

जब्त कर ली। नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर पशु कल्याण अधिकारी डॉ. अभिनव वर्मा की अगुआई में कार्रवाई की। जब्त मवेशियों को ठाकुरगंज स्थित कांजी हाउस भेज दिया गया। इन्हें निर्धारित जुर्माना जमा करने के बाद छोड़ दिया जाएगा। आईजीआरएस पर की गई थी शिकायत यह कार्रवाई आईजीआरएस पोर्टल और स्थानीय नागरिकों की शिकायतों के आधार पर की गई थी। लोगों की शिकायत थी कि डेरी संचालक नालियों में गोबर बहा रहे हैं, जिससे गंदगी, जलभराव और मच्छर जनित बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। नगर निगम ने स्पष्ट किया कि नगर निगम अधिनियम 1959 के तहत शहरी सीमा में भैंस पालन पूरी तरह प्रतिबंधित है। दो गाय ही पाल सकते हैं केवल दो तक गायों को ही लाइसेंस प्राप्त कर पालने की अनुमति है।अभियान में पुलिस बल, प्रवर्तन दल और पशु कल्याण विभाग की टीमों ने भाग लिया। भविष्य में भी निगम ने चेतावनी दी है कि शहर के बीचों बीच अवैध डेरियों का संचालन नहीं होने दिया जाएगा और गोबर निस्तारण की लापरवाही पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि लखनऊ को स्वच्छ और रोगमुक्त बनाया जा सके।

सिर कूंचकर पत्नी की हत्यारुशराब के लिए पैसे न मिलने पर गुस्साया, सिर पर सिलबट्टा मार–मारकर जान ले ली

लखनऊ। शराब के पैसे न देने पर गुस्साए पति ने सिलबट्टे से पत्नी के सिर पर ताबड़तोड़ वार कर लहूलुहान कर दिया। चीख–पुकार सुनकर पड़ोसी जब तक दौड़कर आते तब तक महिला की मौत हो चुकी थी। मौका पाकर पति भी घटनास्थल से भाग गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। पुलिस ने देर शाम आरोपी पति को

हिरासत में लिया। घटना सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र के माढरमऊ कला गांव में शुक्रवार को हुई। मृतका की पहचान नन्ही देवी (58) के रूप में हुई है। दामाद रवि की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। नन्ही देवी (मृतका) पिछले करीब डेढ़ वर्ष से अपनी बेटी रोशनी देवी और दामाद रवि रावत के साथ रह रही थीं। दामाद रवि के अनुसार, वह एक निजी स्कूल में वैन चलाते हैं, जबकि उनकी पत्नी घरों में काम करती है। मृतका के पति भी एक अपार्टमेंट में सफाई का कार्य करते थे। रवि ने बताया कि गुरुवार सुबह वह और उनकी पत्नी रोज की तरह काम पर निकल गए थे। करीब 10:30 बजे उनके साढू अजय ने नन्ही देवी से बात कराने के लिए ससुर को फोन किया। इस पर ससुर ने बताया कि वह मर गई है। जानकारी मिलते ही साढू ने रोशनी को सूचना दी और परिजन तुरंत घर पहुंचे, जहां नन्ही देवी मृत हालत में मिलीं। शव को पैतृक गांव ले गए रवि ने तत्काल डायल 112 पर सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने निरीक्षण के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। शुक्रवार देर शाम पोस्टमॉर्टम के बाद परिजन शव को लेकर उन्नाव जनपद के अशोक थाना क्षेत्र स्थित समाधा गांव चले गए। परिजन शनिवार को अंतिम संस्कार करेंगे।

राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक

लखनऊ। भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उ०प्र० लखनऊ के निर्देशानुसार मतदेय स्थलों के सम्भाजन के पश्चात मतदेय स्थलों के प्रस्ताव पर विचार–विमर्श: करने हेतु जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी

श्री संतोष कुमार शर्मा की अध्यक्षता में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक की गयी। बैठक में जिलाधिकारी महोदय ने राजनीतिक दलों की ओर से मतदेय स्थल निर्धारण में प्राप्त आपत्तियों का निस्तारण निर्धारित चेकलिस्ट के अनुसार स्थलीय जांच के उपरांत करने हेतु सभी ईआरओ को निर्देशित किया। उन्होंने राजनीतिक दलों से सुझाव लेने के उपरांत निर्देशित किया कि सभी ईआरओ मौके पर जाकर आपत्तियों की जांच करें। मतदेय स्थल निर्धारण में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन करें। मतदेय स्थल के निर्धारण में मतदाताओं की सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। प्राकृतिक बाधाओं को भी दृष्टिगत रखें। यथासंभव सरकारी भवन में मतदेय स्थल स्थापित और निजी भवन में मतदेय स्थल को अंतिम विकल्प के रूप में अपनाएं। जिलाधिकारी महोदय ने सभी ईआरओ को बीएलओ और बीएलओ की बैठक ब्लॉकवार कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी महोदय ने पुनः सभी राजनीतिक दलों को बीएलए की सूची उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने बिंदुवार सभी राजनीतिक दलों के प्रश्नों का जवाब दिया और उनकी शंकाओं का समाधान किया। बैठक में अपर जिलाधिकारी/ उप जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ प्रशांत कुमार, समस्त ईआरओ और भाजपा, कांग्रेस, सपा ,बसपा व आप पार्टी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पनियरा विधायक खेल स्पर्धा का भव्य शुभारंभ

महराजगंज। युवा कल्याण विभाग एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग महराजगंज द्वारा माननीय सांसद एवं माननीय विधायक खेल स्पर्धा के अंतर्गत पनियरा विधानसभादृ विधायक स्पर्धा का आयोजन महंत अवैद्यनाथ मिनी स्टेडियम

श्यामदेवरुआ, परतावल में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत सरकार के माननीय केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री श्री पंकज चौधरी जी के द्वारा तिरंगे गुब्बारे को आकाश में छोड़ कर किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय की बच्चियों द्वारा सरस्वती वंदना के साथ सांस्कृतिक नृत्य किया। माननीय केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री श्री पंकज चौधरी ने खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम के आयोजन का प्रमुख उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में छुपे हुए प्रतिभा को उजागर करने का है। इस अवसर पर पनियरा के माननीय विधायक श्री ज्ञानेंद्र सिंह जी , नगर पंचायत अध्यक्ष एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिला युवा कल्याण अधिकारी श्री वैभव सिंह, श्री विंध्यवासिनी सिंह, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी गण श्री जितेंद्र सिंह, श्री अर्जुन त्रिपाठी, श्री राकेश पटेल, श्री प्रवीन मिश्रा, एवं कार्यक्रम प्रभारी व्यायाम प्रशिक्षक श्री बृजेश यादव ने कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराया। कार्यक्रम में मंच का संचालन श्री यशवंत पटेल, श्री राममूरत, श्री रामदेव पासवान एवं अन्य द्वारा किया गया।

डॉ. शक्ति सिंह साधू (प्रधान सम्पादक), डॉ. प्रवीण (प्रबंध सम्पादक), एडवोकेट शैलेन्द्र श्रीवास्तव (कानूनी सलाहकार), राकेश अग्रवाल (जिला ब्यूरो उत्तर प्रदेश) अब्दुल नासिर स्टेट ब्यूरो उत्तर प्रदेश

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक शक्ति सिंह द्वारा राज तरूण आफसेट, एल0जी0एफ0 5–14, अंसल सिटी सेंटर, हजरतगंज, लखनऊ– 226001 से मुद्रित तथा 486/238–डी, डालीगंज, निरालानगर, जनपद लखनऊ–226020 से प्रकाशित।

सम्पादक– शक्ति सिंह मो0 7052608007 नोटः समाचार पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।